सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 101 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 15 मई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

व्यक्ति अपने विचारों के सिवाय कुछ नहीं है। वह जो सोचता है, वह बन जाता है।
-राष्ट्रपिता महात्मा गांधी

यूपी में खोले जाएं नये मिलिट्री.... 2 | महाराष्ट्र में फिर उठ रही... 3 | पाकिस्तानी झंडे को लेकर... 7

## राहुल गांधी की हुंकार

# 24 घंटे होता है देश में दलितों के साथ अत्याचार

### दरभंगा के अम्बेडकर हास्टल में छात्रों से संवाद करने जा रहे राहुल गांधी को रोका गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राहुल गांधी के बिहार दौरे से वहां की एनडीए सरकार हिल गयी है। इससे पहले भी राहुल गांधी के दौरे को कैंसिल किया गया था। आज जब राहुल गांधी दरभंगा पहुंचे तो पहले से तयशुदा कार्यक्रम में जाने से उन्हें रोक दिया गया। राहुल गांधी को छात्र संवाद के लिए अम्बेडर छात्रावास जाना था। प्रशासन ने उन्हें वहां नहीं जाने दिया और उनके काफिले को रोक दिया।

काफिला रोके जाने के बाद थोड़ी देर के लिए वहां अफरा–तफरी मच गयी। राहुल गांधी पैदल ही दलित छात्रों से संवाद के लिए निकल पड़े। इस दौरान पुलिस के साथ धक्कामुक्की भी देखने को मिली। उन्होंने कहा है कि इस देश में दलितों और आदिवासियों के साथ 24 घंटे अत्याचार होत है। कांग्रेस ने सरकार को चेताते हुए अंजाम भुगतने की धमकी दी है। वहीं पूर्णिया से सांसद राजेश रंजन यादव पप्पू यादव ने इसे दलितों की आवाज को दबाना कहा है। उन्होंने कहा है कि यह राजनीतिक कार्यक्रम नहीं था। राहुल बिहार में दलितों की बात करने आये हैं और उन्हें रोका जा रहा है।

**पुलिस ने की धक्का मुक्की, कांग्रेस बोली- क्या दलित छात्रों से संवाद करना गुनाह!**

**सांसद पप्पू यादव ने कहा- कि बिहार में दलितों की आवाज को दबाया जा रहा है**

## प्रियंका ने उठाये सवाल

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने एक्स पोस्ट में लिखा, दरभंगा के अंबेडकर हॉस्टल में शिक्षा न्याय संवाद कार्यक्रम के तहत छात्रों से संवाद करने जा रहे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को रोकना अत्यंत शर्मनाक, निंदनीय एवं कायराना कृत्य है। तानाशाही पर उतारू जेडीयू-भाजपा गठबंधन की सरकार को यह बताना चाहिए कि क्या बिहार में नेता प्रतिपक्ष का जाना अपराध है या दलितों, पिछड़ों, वंचितों और गरीबों की आवाज उठाना अपराध है? न्याय और क्रांति की धरती बिहार की जनता यह तानाशाही बर्दाश्त नहीं करेगी।

**नीतीश जी आप क्यों डर रहे हैं?**

इससे पहले राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, बिहार में एनडीए की डबल इंजन धोखेबाज सरकार मुझे अंबेडकर हॉस्टल में दलित और पिछड़े छात्रों से बातचीत करने से रोक रही है। संवाद कब से अपराध हो गया? नीतीश जी, आप किस बात से डर रहे हैं? क्या बिहार में शिक्षा और सामाजिक न्याय की स्थिति छुपाना चाहते हैं?

## कांग्रेस की चेतावनी

राहुल गांधी के दरभंगा में कार्यक्रम रोकने पर कांग्रेस ने बिहार की एनडीए सरकार को निशाने पर लिया। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि बिहार में दरभंगा के अंबेडकर हॉस्टल में शिक्षा न्याय संवाद कार्यक्रम में राहुल गांधी को शामिल होने से रोकना तानाशाही की पराकाष्ठा है। उन्होंने एक्स पर लिखा है कि अब क्या दलित, वंचित, पिछड़े वर्ग के छात्रों से संवाद करना संविधान के खिलाफ है? क्या उनकी शिक्षा, उनकी भर्ती परीक्षा और नौकरियों के बारे में उनसे बातचीत करना कोई पाप है? जेडीयू-भाजपा सरकार के बिहार में दरभंगा के अंबेडकर हॉस्टल में शिक्षा न्याय संवाद कार्यक्रम में राहुल गांधी को शामिल होने से रोकना तानाशाही की पराकाष्ठा है। लोकतंत्र की जन्मस्थली, बिहार इस अन्याय को याद रखेगी और समय आने पर जेडीयू-भाजपा को इसका उचित जवाब भी देगी।

## राहुल गांधी ने रखी तीन मांगे

सही तरीके से देशभर में जातीय जनगणना कराई जाए, जैसे तेलंगाना में की गई है। इसके अलावा, उन्होंने निजी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में आरक्षण की बात कही। उन्होंने कहा कि निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की व्यवस्था की जाए। दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा और आदिवासी की संख्या 90 प्रतिशत है, लेकिन आपको दबाकर, डराकर रोका जाता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि 90 प्रतिशत लोगों के लिए इस देश में कोई रास्ता नहीं है। उन्होंने ब्यूरोक्रेसी की बात करते हुए कहा कि उनमें इनकी संख्या शून्य है।

## जातीय जनगणना और आरक्षण व्यवस्था

उन्होंने लोगों से एक साथ खड़े होने का आह्वान करते हुए कहा कि हमारी जातीय जनगणना और निजी क्षेत्र में आरक्षण की व्यवस्था की मांग है। राहुल गांधी ने कहा, अभी पुलिस ने हमें रोकने की कोशिश की, लेकिन नहीं रोक पाई, क्योंकि आपकी शक्ति मेरे पीछे है। इसलिए उनको कोई नहीं रोक सकता, जिसके पीछे आपकी ताकत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जातीय जनगणना कराने और संविधान को माथे से लगाने की बात कही थी। आपके दबाव से प्रधानमंत्री ने जातीय जनगणना कराने की घोषणा की। लेकिन भाजपा लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ है।

## यह अमीरों की सरकार है

जातीय जनगणना के खिलाफ है। देश में जो 90 प्रतिशत दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा, अल्पसंख्यक और आदिवासी हैं, भाजपा उनके खिलाफ है। यह अमीरों की सरकार है। राहुल गांधी ने लोगों को भरोसा देते हुए कहा, मैं जानता हूं इन छात्रावासों में क्या होता है। गारंटी देता हूं, जैसे ही देश और बिहार में हमारी सरकार आएगी, हम इस स्थिति को बदल देंगे, जो यहां होना चाहिए, वह करेंगे।

# यूपी में खोले जाएं नये मिलिट्री स्कूल : अखिलेश

## कहा- धौलपुर मिलिट्री स्कूल के जवानों ने खूब मुंहतोड़ जवाब दिया पाक सेना को

» सपा प्रमुख की मांग लखनऊ समेत यूपी में आधा दर्जन मिलिट्री स्कूल खोले सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्रीअखिलेश यादव ने सेना के जवानों की भूरी–भूरी प्रशंसा करते हुए कहा है कि भारतीय सेना सबसे मजबूत, सशक्त और बहादुर है। हम सभी को अपनी सेना की बहादुरी पर गर्व है। अखिलेश यादव ने देश की प्रतिरक्षा सुरक्षा में राष्टीय मिलिट्री स्कूल धौलपुर के योगदान की तारीफ करते हुए कहा कि यह परंपरा देश की आजादी से लेकर निरंतर चल रही है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में सच्चे देशप्रेमियों की, जो अनंत गौरवशाली परंपरा स्वतंत्रता सेनानियों से लेकर आज तक रही है, उसके आधार पर हमारी माँग है कि, उत्तर प्रदेश के लखनऊ, सहारनपुर, कन्नौज, इटावा, वाराणसी, संत कबीरनगर जिले में नये मिलिट्री स्कूल खोले जाएं।

### निर्णायक जवाब देना होगा

सपा प्रमुख ने कहा कि हमारे देश की अखंडता और एकता को चुनौती देने वाली ताक़तों को सही में निर्णायक जवाब दिया जा सके। अखिलेश यादव ने कहा कि– आशा है कि वर्तमान संवेदनशील सामरिक परिस्थितियों को देखते हुए सरकार इस पर गंभीरता से विचार करेगी और देशहित को देखते हुए, उत्तर प्रदेश में मिलिट्री स्कूलों की स्थापना की तत्काल घोषणा करेगी।

### धौलपुर के छात्र रहे हैं सपा प्रमुख

उल्लेखनीय है कि अखिलेश यादव राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल धौलपुर के स्टूडेंट रहे हैं। उन्होंने कहा कि जहां चलती आई है महान परंपरा वीरता की, वहां हम सबको सीख मिलती है शूरता-शीलता की। उन्होंने कहा कि हम सब ने अपने आदर्श वाक्य शीलम परम भूषणम से देशभक्ति अनुशासन और पराक्रम के सीन चरित्र का बीज मिलने वाले राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल धौलपुर का देश की प्रतिरक्षा सुरक्षा में अभूतपूर्व योगदान रहा है यह परंपरा देश की आजादी से लेकर आज तक निरंतर है।

# शहीद इम्तियाज की पत्नी हुईं भावुक कहा–पाकिस्तान को कड़ी सजा मिले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

छपरा। जम्मू के आरएस पुरा सेक्टर में क्रॉस बॉर्डर फायरिंग में देश की रक्षा करते हुए अपना बलिदान देने वाले बीएसएफ के सब इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज भले ही इस दुनिया में नहीं हों, लेकिन उनकी वीरता की कहानी सभी की जुबां पर है। वहीं, उनकी यादें परिजनों को गमज़दा कर रही हैं। पाकिस्तान के नापाक इरादे के कारण अपने वीर पति को खोने वाली शहनाज अजिमा आज भी उनका नाम सुनकर रो रही हैं। उनकी बस एक ही मांग है कि पाकिस्तान को कड़ी सजा मिले।

शहीद इम्तियाज के पुत्र इमरान रजा का कहना है कि पाकिस्तान को नेस्तनाबूद कर दे सरकार। जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर शनिवार को पाकिस्तान की गोलीबारी में सारण जिले के गरखा प्रखंड के नारायणपुर गांव के रहने वाले बीएसएफ के जवान मोहम्मद इम्तियाज शहीद हो गए थे। बिहार के लाल सब इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज ने सीमा पर आतंकवादियों के छक्के छुड़ा दिए थे। शहीद मोहम्मद इम्तियाज की पत्नी शहनाज अजिमा भावुक होकर कहती हैं, उनसे अंतिम बात उनकी शहादत से कुछ रोज पहले हुई थी, जब उन्होंने कहा था कि अभी सीमा पर तनाव है इसलिए बात नहीं होगी। जब तक ऐसी स्थिति है, बात नहीं हो सकती। जब शांति हो जाएगी तब हम फोन करेंगे। उन्होंने याद करते हुए कहा कि उसके बाद उनका कॉल नहीं आया, उनकी शहादत की खबर आ गई। उन्होंने कहा कि परिजनों ने तो शुरू में बताया नहीं था। उन्होंने कहा कि उन्हें अब कुछ नहीं चाहिए, बस पाकिस्तान को कड़ी सजा मिलनी चाहिए, जिससे फिर किसी दूसरे घर में ऐसी नौबत न आए।

### कायर है पाकिस्तान

शहीद मोहम्मद के बड़े बेटे इमरान रजा ने कहा कि पाकिस्तान को इस कायराना हरकत के लिए उसे दुनिया के नक्शे से मिटा देना चाहिए। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमला और फिर भारत द्वारा किए गए एयर स्ट्राइक के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया था। इस बीच सीजफायर की घोषणा कर दी गई। इसके बावजूद सीमापार से हमले हुए थे, जिसमें मोहम्मद इम्तियाज शहीद हो गए थे।

# कांग्रेस के विशेष सत्र की मांग का उदित राज ने किया समर्थन

» सीजफायर और ऑपरेशन सिंदूर पर कांग्रेस के द्वारा संसद के विशेष सत्र की मांग का कांग्रेस नेता उदित राज ने इसका समर्थन किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सीजफायर और ऑपरेशन सिंदूर पर कांग्रेस के द्वारा संसद के विशेष सत्र की मांग का कांग्रेस नेता उदित राज ने इसका समर्थन किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री देश की जनता के प्रतिनिधि हैं। प्रधानमंत्री अपनी जिम्मेदारी से भाग रहे हैं। उन?हें ऑपरेशन सिंदूर पर देश की जनता को जानकारी देनी चाहिए। उदित राज ने कहा कि कारगिल वॉर के बाद भी संसद सत्र बुलाई गई थी और कमेटी भी बैठी थी। उसकी रिपोर्ट संसद में पेश की गई थी।

पहलगाम हमले के बाद पाकिस?तान पर कड़ी कार्रवाई के लिए सभी दल और पूरा देश भारत सरकार के साथ खड़ा था। देश की मांग थी कि पाकिस्तान को करारा जवाब दिया जाए। उस समय दो बार ऑल पार्टी मीटिंग हुई, लेकिन उसमें भी प्रधानमंत्री नहीं आए। ऐसे समय में ऑल पार्टी मीटिंग होनी चाहिए और पार्लियामेंट सेशन बुलाना जरूरी है।

### अमेरिकन मध्यस्थता पर पीएम दें जवाब

अमेरिका की सीजफायर पर मध?यस?थता पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को इस बात की जानकारी देश की जनता को देना चाहिए। लेकिन, डोनाल्ड ट्रंप के एक पोस?ट से सीजफायर होने का पता चलता है। ट्रंप ने युद्ध रुकवाया या नहीं रुकवाया यह प्रधानमंत्री क्यों नहीं बताते हैं। प्रधानमंत्री को इस बारे में बात करनी चाहिए। सीजफायर को लेकर कांग्रेस की मांग है कि इस पर संसद में चर्चा की जाए, इस पर विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर विशेष सत्र में सीजफायर और ऑपरेशन सिंदूर की पूरी जानकारी की मांग की है। भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्यस्थता की बात कही थी। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था कि अमेरिका की मध्यस्थता की वजह से भारत-पाकिस्तान तनाव कम करने के लिए राजी है।

# वक्फ संशोधन बिल पर जस की तस स्थिति बनी रहेगी!

» सुप्रीम कोर्ट अब करेगा 20 मई को सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑग्स्टिन जॉर्ज मसीह की बेंच ने वक्फ संशोधन अधिनियम मामले में सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एसजी तुषार मेहता पहले ही पिछली सुनवाई में आश्वस्त कर चुके हैं कि वक्फ एक्ट के कुछ प्रावधान लागू नहीं होंगे और इस पर अगर पालन नहीं होता तो कोर्ट देखेगा। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में 20 मई को सुनवाई करेगा।

चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑग्स्टिन जॉर्ज मसीह की बेंच के सामने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि हमने अपना जवाब दाखिल कर दिया है। इस पर कोर्ट ने पूछा कि क्या इस केस में अभी अंतरिम राहत के लिए सुनवाई हो रही है? तुषार मेहता ने कहा कि अगर कोर्ट अंतरिम आदेश पर विचार करे, तो उसमें भी ज्यादा वक्त नहीं लगेगा। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ताओं की तरह वो भी शॉर्ट नोट्स दाखिल करेंगे।

### कपिल सिब्बल ने रखा पक्ष

याचिकाकर्ताओं की ओर से कपिल सिब्बल ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि हमने संक्षिप्त नोट तैयार किया है, जिसे हम एसजी तुषार मेहता से शेयर कर सकते हैं। इस पर एसजी मेहता ने कहा कि इस मामले में बड़ी संख्या में हस्तक्षेप आवेदन फाइल हुए हैं। ये कोर्ट पर निर्भर करता है कि वो सुने या नहीं, लेकिन मेरी राय में वो नहीं सुनी जानी चाहिए, यानी मुख्य याचिकाओं पर सुनवाई हो।

### मनमाने प्रावधान से नाराज हैं विष्णु जैन

वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि हमने अपनी याचिका में यह बात रखी है कि वक्फ एक्ट में बदलाव के बावजूद इसके कुछ मनमाने प्रावधान बने हुए हैं। हमने पहले भी उन्हें रद्द करने की मांग की थी। कोर्ट हमारी मांग पर विचार करें। इस पर अदालत ने कहा कि एसजी तुषार मेहता पहले ही पिछली सुनवाई में आश्वस्त कर चुके हैं कि वक्फ एक्ट के कुछ प्रावधान लागू नहीं होंगे। ये व्यवस्था अभी लागू रहेगी। इस पर अगर पालन नहीं होता तो कोर्ट देखेगा। एसजी ने भी आश्वस्त किया कि कोर्ट को दिए सरकार के अंडरटेकिंग पर कायम हैं।

# भाजपा के मंत्री के खिलाफ कार्रवाई का देश को इंतजार

» कर्नल सोफिया कुरैशी पर अभद्र टिप्पणी मामले पर बोलीं मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि पहलगाम घटना के बाद पाकिस्तान में आतंकियों के विरुद्ध सेना के आपरेशन सिंदूर की नायिका मुस्लिम महिला कर्नल को लेकर अभद्र टिप्पणी करने वाले मध्य प्रदेश के मंत्री के खिलाफ हाईकोर्ट की सख्ती के बाद देर रात एफआईआर दर्ज होना उचित है, लेकिन भाजपा की ओर से एक्शन की देश को प्रतीक्षा है।

बसपा सुप्रीमो ने बृहस्पतिवार को जारी अपने बयान में कहा कि देश में सांप्रदायिक व जातिवादी द्वेष, नफरत, हिंसा व तनाव फैलाने वालों के खिलाफ कोर्ट से पहले, राज्य सरकारों को बिना भेदभाव कार्रवाई करके अपराध नियंत्रण व कानून-व्यवस्था की संवैधानिक जिम्मेदारी निभाना जरूरी है। इसके अभाव में अपेक्षित विकास बाधित होता रहेगा, जो जन व देशहित में सही नहीं है।

# महाराष्ट्र में फिर उठ रही चिंगारी!

## राज-उद्धव के बाद अजित व शरद पवार में नजदीकियां बढ़ीं

» टूटे हुए लोग फिर आ रहे एक दूसरे के करीब

» शिव सेना यूबीटी की भी पैनी नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में फिर कुछ होने वाला है। अभी कुछ दिन पहले राज ठाकरे व उद्धव ठाकरे के बीच एकमत होने की खबरें आ रहीं थीं। उन पर विराम लगा ही था कि अब चाचा व भतीजे के करीब आने की चर्चा तेजी से उठने लगी है। राजनीतिक गलियों में चर्चा के अजित पवार व शरद पवार की पार्टियां एक दूसरे में मर्ज हो सकती है।

इन सब खबरों के बीच शिवाजी की मुर्ति पुन: स्थापित करके भाजपा मराठा मानुस को अपने ओर आकर्षिक करने का प्रयास कर रही है। उधर आरक्षण को लेकर भी सियासी खींच तान जारी है। महाराष्ट्र में एनसीपी और एनसीपी-एसपी के विलय की अटकलें तेज हो गई हैं, क्योंकि शरद पवार और अजित पवार हाल ही में कई मंचों पर साथ नजर आए हैं इसी बीच जयंत पाटील ने पार्टी की बैठक बुलाई है।

### अंतिम फैसला सुप्रिया सुले का होगा : शरद पवार

वहीं शरद पवार और अजित पवार को कई बार कुछ सार्वजनिक कार्यक्रमों के अवसर पर मंच साथ देखा गया है। इसके बाद शरद पवार की ओर से एनसीपी के दोनों धड़ों के फिर से एक होने संबंधी बयान दिए जाने के बाद राजनीतिक चर्चाओं ने नई दिशा ले ली. शरद पवार साफ कर चुके हैं कि अगर दोनों एनसीपी पार्टियां एक साथ आती हैं, तो इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है। लेकिन, अंतिम फैसला सुप्रिया सुले का होगा। राज्य के पूर्व गृह मंत्री और शरद पवार गुट के नेता अनिल देशमुख ने भी दोनों राष्ट्रवादी पार्टियों के एक साथ आने की चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी थी।

### कई कार्यक्रमों में एकसाथ नजर आए चाचा-भतीजा

महाराष्ट्र की राजनीति में इन दोनों एनसीपी और एनसीपी-एसपी के विलय की चर्चा जोर पकड़ रही है। ये चर्चा एनसीपी के अध्यक्ष अजित पवार और एनसीपी-एसपी प्रमुख शरद पवार के कई कार्यक्रमों में एकसाथ नजर आने के बाद शुरू हुई है। इसी बीच एनसीपी-एसपी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटील ने बुधवार (14 मई) पार्टी की राज्य कार्यकारिणी की बैठक बुलाई है। सूत्रों के मुताबिक पार्टी के कुछ नेता और सांसद चाहते हैं कि अजीत पवार को साथ लेकर चला जाए, क्योंकि वे सरकार में हैं ही और अब तक उन्होंने एनसीपी-एसपी के नेताओं को मदद भी पहुंचाई है, जो सकारात्मक है। इससे इन अटकलों को और बल मिला है. आज की बैठक में जयंत पाटील क्या भूमिका निभाते हैं और क्या मार्गदर्शन देते हैं, इस पर सभी की नजरें टिकी हैं।

### भाजपा पर पड़ेगा बड़ा असर

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि यह विलय होता है, तो यह न केवल एनसीपी के लिए बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति के लिए भी एक बड़ा मोड़ होगा। इससे महा विकास आघाड़ी और बीजेपी की रणनीति पर भी असर पड़ सकता है। अब सबकी नजरें जयंत पाटील की अगुवाई में होने वाली इस बैठक पर टिकी हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि पाटील इस बैठक में क्या रुख अपनाते हैं और पार्टी को किस दिशा में ले जाने का संकेत देते हैं।

### और भी सुविधाएं बढ़ाएंगे : सीएम फडणवीस

सीएम ने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण घटना (प्रतिमा गिरने की) के बाद, हमने निर्णय लिया था कि किसी भी परिस्थिति में, हम छत्रपति शिवाजी महाराज की एक और भव्य प्रतिमा बनाएंगे। उन्होंने कहा कि बेहतर सुविधाओं के लिए किले से सटी जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रतिमा का निर्माण प्रसिद्ध मूर्तिकार राम सुतार ने किया है, जिन्होंने गुजरात में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का भी निर्माण किया था। उन्होंने आईआईटी इंजीनियरों और जेजे स्कूल ऑफ आर्ट्स के प्रमुख के साथ मिलकर इस प्रतिमा का निर्माण किया है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि अगस्त 2024 में प्रतिमा के ढह जाने के बाद राज्य सरकार ने ऐसी ही प्रतिमा बनाने का संकल्प लिया था और उसी के अनुसार निर्देश दिए गए थे।

## शिवाजी महाराज फिर भरेंगे उत्साह

महाराष्ट्र सरकार ने तटीय सिंधुदुर्ग जिले में राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया। इस मुर्ति के बन जाने से महाराष्ट्र में फिर एकबार भाजपा में उत्साह भर गया है। शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के लगभग नौ महीने बाद, उसी स्थान पर योद्धा राजा की 91 फीट ऊंची नई प्रतिमा का अनावरण किया गया। पिछली 35 फीट ऊंची प्रतिमा अगस्त 2024 में, अपनी स्थापना के आठ महीने से भी कम समय बाद ढह गई थी, जिसके कारण महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ व्यापक आक्रोश फैल गया था। उस प्रतिमा का अनावरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4 दिसंबर 2023 को नौसेना दिवस समारोह के दौरान किया था। इस प्रतिमा के ढहने के कारण इसके मूर्तिकार-ठेकेदार जयदीप आप्टे को गिरफ्तार कर लिया गया था। महाराष्ट्र के मालवण में किले में नई भव्य प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस बात का पूरा ध्यान रखा गया है कि नई प्रतिमा किसी भी वातावरण में कम से कम 100 साल तक टिकी रहे। प्रतिमा के रखरखाव का जिम्मा इसे बनाने वालों को दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह प्रतिमा 91 फीट ऊंची है और इसका आधार 10 फीट ऊंचा है। प्रतिमा बनाने का ठेका प्रसिद्ध मूर्तिकार राम सुतार और अनिल सुतार की फर्म राम सुतार आर्ट क्रिएशंस प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया है, जिसने गुजरात में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण किया था। फडणवीस ने कहा कि यह प्रतिमा अतीत में देखे गए तूफानों की तुलना में अधिक तीव्रता वाले तूफानों को झेल सकती है। उन्होंने कहा कि यह शायद देश में छत्रपति शिवाजी की सबसे बड़ी प्रतिमा है।

# जगन ने नायडू पर शुरू किया तीखा प्रहार

## भ्रष्टाचार, टूटे वादों और माफिया के जाल के जरिए राज्य को नायडू ने पीछे छोड़ा

» विफलताओं को उजागर करने का लिया संकल्प

» सीएम के लिए आगे की राह आसान नहीं

» पार्टी अगले साल अपनी पूर्ण बैठक भव्य और ऊर्जावान तरीके से आयोजित करेगी : जगन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। हैदाराबाद में टीडीपी सरकार के बने अभी महज कुछ महीने हुए हैं पर उन पर हमला तेज हो गया है। मुख्य विपक्षी पार्टी के नेता जगन रेड्डी ने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कथित तौर पर भ्रष्टाचार, टूटे वादों और माफिया के जाल के जरिए राजनीति को उसके सबसे निचले स्तर पर पहुंचा दिया है और लोग उन्हें कभी भी सत्ता में वापस नहीं लाएंगे।

वाईएसआरसीपी प्रमुख वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने घोषणा की है कि पार्टी अगले साल अपनी पूर्ण बैठक भव्य और ऊर्जावान तरीके से आयोजित करेगी। रेड्डी ने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कथित तौर पर भ्रष्टाचार, टूटे वादों और माफिया के जाल के जरिए राजनीति को उसके सबसे निचले स्तर पर पहुंचा दिया है और लोग उन्हें कभी भी सत्ता में वापस नहीं लाएंगे। रेड्डी ने बुधवार को एक विज्ञप्ति में कहा, हम अगले साल एक भव्य अधिवेशन आयोजित करेंगे क्योंकि लोगों ने चंद्रबाबू के झूठ और भ्रष्टाचार को देख लिया है और वे उनके असफल शासन के लिए उन्हें अस्वीकार कर देंगे।

### एनडीए गठबंधन हर मोर्चे पर विफल

पूर्व सीएम ने पार्टी नेताओं से अपने-अपने जिलों में कड़ी मेहनत करने, कार्यकर्ताओं से जुड़ने और सरकार के अधूरे वादों को उजागर करके जमीनी स्तर पर समर्थन जुटाने का आग्रह किया। रेड्डी ने दावा किया कि एनडीए गठबंधन हर मोर्चे पर विफल रहा है, उन्होंने कहा कि इसने पूर्ववर्ती वाईएसआरसीपी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को खत्म कर दिया और अपने वादों को पूरा करने में विफल रही, जिससे जनता में गुस्सा है।

### औने-पौने दामों पर सौंपी जा रही कीमती जमीन

रेड्डी ने आरोप लगाया कि हजारों करोड़ रुपये की कीमती जमीन को औने-पौने दामों पर सौंपा जा रहा है, उन्होंने लुलु ग्रुप को 1,500 करोड़ रुपये की जमीन सिर्फ 1 रुपये में और इसी तरह 3,000 करोड़ रुपये की जमीन एक अन्य कंपनी को आवंटित किए जाने का हवाला दिया। उन्होंने सरकार पर 4.60 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीदकर जनता पर बोझ डालने का आरोप लगाया, जबकि उनके कार्यकाल के दौरान यह दर 2.49 रुपये प्रति यूनिट थी, उन्होंने कहा कि यह किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए थी। निर्वाचन क्षेत्र स्तर के मुद्दों का हवाला देते हुए, उन्होंने दावा किया कि टीडीपी नेताओं ने कथित तौर पर बुनियादी काम के लिए कमीशन की मांग की, जो वर्तमान प्रशासन के तहत गहरी जड़ें वाले भ्रष्टाचार को दर्शाता है।

## जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# ट्रोलर्स पर लगाम लगाना बहुत जरूरी!

**आजकल सोशल मीडिया पर किसी की ट्रोलिंग अब बेहद आम हो चुकी है। ट्रोलर्स ऐसी लहर की तरह बर्ताव करते हैं, जिसके सामने कोई नियम-कायदा, नैतिकता या मर्यादा नहीं टिकती। हिमांशी नरवाल व विदेश सचिन विक्रम मिसरी इसी ट्रेंड का शिकार हुईं और यही देखने को मिला नैनीताल में शैला नेगी के साथ।**

*आज के जमाने में कोई भी बात ज्यादा देर तक चार दिवारी में बंद नहीं की जा सकती है। किसी के साथ भला हुआ हो या बुरा हुआ हो वह सोशल मीडिया माध्यमों से पूरी दुनिया में फैल जाता है। कोई अच्छी बात होती है तो लोग उसके समर्थन में पोस्ट पर पोस्ट भेज कर उसकी लोकप्रिकया को सातवें आसमान पर पहुंचा देत हैं। वहीं अगर किसी बात से नारज होते हैं तो उसके खिलाफ अभद्र टिप्पणियों की भरमार कर डालते हैं। आजकल सोशल मीडिया पर किसी की ट्रोलिंग अब बेहद आम हो चुकी है। ट्रोलर्स ऐसी लहर की तरह बर्ताव करते हैं, जिसके सामने कोई नियम-कायदा, नैतिकता या मर्यादा नहीं टिकती। हिमांशी नरवाल व विदेश सचिन विक्रम मिसरी इसी ट्रेंड का शिकार हुईं और यही देखने को मिला नैनीताल में शैला नेगी के साथ। जरूरत यह थी कि समाज इन दोनों हिम्मती और विवेकशील लड़कियों व विदेश सचिव का साथ देता। लेकिन इन्हें गालियां और धमकियां मिल रही हैं।*

*हालांकि मिसरी ने बाद में अपना अकाउंट ब्लाक कर दिया। पर जो भी दो दिन चला वह चिंता की बात है। किसी से अगर हम नारज हैं उसका विरोध या आलोचना हमें धैर्य दे नस चाहिए। संविधान ने सभी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार दिया है। लेकिन इस आजादी का एक निश्चित दायरा है। यह अभिव्यक्ति किसी दूसरे की स्वतंत्रता और गरिमा पर चोट करने वाली नहीं होनी चाहिए। सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग करते हुए कई लोग इस बात को भूल जाते हैं। उन्हें बात रखने की अपनी आजादी तो नजर आती है, सामने वाले का अधिकार और उसकी गरिमा का ध्यान नहीं रहता। किसी की बातों से सहमत या असहमत हुआ जा सकता है, लेकिन इसे व्यक्त करने का तरीका शालीन होना चाहिए। सोशल मीडिया पर गाली-गलौज या अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। जब ऐसी भाषा पारिवारिक या सामाजिक जीवन में नहीं चलती, तो सोशल मीडिया पर कैसे चल सकती है, जिसका दायरा कहीं ज्यादा बड़ा है। अगस्त 2023 में शीर्ष अदालत ने तमिलनाडु के पूर्व विधायक और अभिनेता एस वी शेखर को महिला पत्रकारों के खिलाफ फेसबुक पर अपमानजनक टिप्पणी लिखने के मामले में राहत देने से इनकार करते हुए कहा था कि सोशल मीडिया इस्तेमाल करते समय इसके प्रभाव और पहुंच को लेकर सतर्क रहना चाहिए। वैसे सोशल मीडिया पर ही हिमांशी और शैला को सपोर्ट करने वाले भी हैं। यह सुखद तो है, पर समस्या का हल नहीं। सोशल मीडिया पर गाइडलाइंस को लेकर सोचने की जरूरत है। रेप की धमकियों का सामना कर रहीं शैला का यह सवाल सबके लिए है कि लोग किस बात को लेकर सड़क पर उतरे थे और कहां पहुंच गए।*

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# देश की समरसता-संप्रभुता की रक्षा का वक्त

विश्वनाथ सचदेव

बारह मई की सुबह से ही टीवी चैनलों पर प्रधानमंत्री के 'राष्ट्र के नाम संदेश' की चर्चा होने लगी थी। कई खबरिया चैनलों ने तो बाकायदा यह चर्चा भी की कि प्रधानमंत्री अपने संदेश में क्या कहेंगे! आखिरकार प्रधानमंत्री बोले। अपने संदेश में उन्होंने जो कुछ कहा वह लोगों के कयास से बहुत अलग नहीं था। बड़ी स्पष्टता और बेबाकी के साथ उन्होंने यह बताया कि भारत-पाक के बीच का 'संघर्ष-विराम' हमने अपनी शर्तों पर किया है। अपने लगभग बाईस मिनट के भाषण में प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का नाम लिये बिना यह स्पष्ट करने की कोशिश की कि हमने यह कदम किसी अन्य देश के दबाव में आकर नहीं उठाया है। प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि पाकिस्तान के आग्रह पर ही संघर्ष-विराम के लिए बातचीत हुई थी। उन्होंने यह कहना भी जरूरी समझा कि पाकिस्तान से साफ कह दिया गया है कि अब यदि आतंकवाद की एक भी घटना घटी तो इसे भारत के खिलाफ युद्ध ही माना जायेगा और हम उसी के अनुरूप कदम उठायेंगे। हम क्या कदम उठा सकते हैं, यह हमारी सेनाएं इन दिनों में बखूबी बता चुकी हैं।

कहने को पाकिस्तान कुछ भी कह सकता है, पर सारी दुनिया ने देखा है कि इस दौरान भारत ने पाकिस्तान स्थित आतंकी अड्डों को तहस-नहस करने में पूरी सफलता पायी है। हमारे सेना-अधिकारी यह बात पहले से कहते आ रहे थे, प्रधानमंत्री ने इसे दुहरा कर देश के दावे पर मुहर ही लगायी है। बिना पाकिस्तान में प्रवेश किये ही हमारी सेनाओं ने सौ से अधिक आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया है। सैन्य-कार्रवाई की दृष्टि से यह बहुत बड़ी सफलता है। अपनी सेना की इस सफलता पर देश निश्चित रूप से गर्व कर सकता है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में यह भी स्पष्ट कर दिया है कि 'पानी और खून साथ-साथ नहीं बह सकते।' इसका सीधा अर्थ यही है कि सिंधु-नदी के जिस पानी को भारत ने पाकिस्तान में पहुंचने से रोका है, वह फिलहाल फिर से नहीं बहेगा। पाकिस्तान को अपनी करनी से यह बताना होगा कि वह कायराना आतंकवादी हमलों की नीति से बाज़ आ गया है।

एक और बड़ी बात जो प्रधानमंत्री मोदी के इस संदेश से स्पष्ट होकर सामने आयी है, वह यह है कि भारत न्यूक्लियर ब्लैकमेलिंग का शिकार नहीं होगा। आज भारत और पाकिस्तान दोनों ही

एटॉमिक ताकतें हैं। दोनों के पास परमाणु बम हैं। और, दुर्भाग्य से, पाकिस्तान जब-तब यह धमकी देता रहता है कि वह परमाणु शक्ति का उपयोग कर सकता है। अब प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट करना जरूरी समझा है कि 'हम इस धमकी से नहीं डरेंगे।' हमारी सेनाओं के आला अफसर भी यह कह चुके हैं कि 'भय बिनु होय न प्रीति।' पाकिस्तान को इस संकेत की महत्ता समझनी चाहिए। बहरहाल, पहलगाम के अमानवीय कृत्य के बाद भारत ने जो कदम उठाये हैं, वे यह तो स्पष्ट करते हैं कि अब पाकिस्तानी जमीन से संचालित होने वाली आतंकवादी गतिविधियों को सहने के लिए यह देश तैयार नहीं है। बिहार की एक 'चुनावी सभा' में भी प्रधानमंत्री ने यह साफ कहा था कि पहलगाम के अपराधियों को कल्पनातीत सज़ा दी जायेगी। अब हमने यह स्पष्ट कर दिया है कि 'कल्पनातीत' के क्या अर्थ हो सकते हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस घटनाक्रम से पाकिस्तान कुछ सीख ले पायेगा। इस दौरान देश ने जिस एकजुटता का परिचय दिया है, वह भी एक तरह से कल्पनातीत ही है। समूचे विपक्ष ने एक स्वर से आतंकवादी गतिविधियों की भर्त्सना की थी और एक स्वर से ही यह भी कहा था इस संघर्ष के संदर्भ में सरकार जो भी कदम उठाती है, विपक्ष उसका समर्थन करेगा। पहले भी हम पाकिस्तान को चार युद्धों में पराजित कर चुके हैं, और पहले भी हम इस तरह की एकजुटता दिखा चुके हैं, पर इस बार कुछ विशेष था। पहलगाम की घटना ने सारे देश के मानस को हिला कर रख दिया था। पहलगाम में जो कुछ हुआ वह चरम अमानुषिकता का एक उदाहरण है। और इसके बाद देश ने जो एकजुटता दिखाई, वह भी इस बात का उदाहरण है कि महाभारत के कौरवों-पाण्डवों की तरह भले ही हम सौ और पांच हों, पर यदि सवाल देश की रक्षा का है तो हम सौ और पांच नहीं, एक सौ पांच हैं!

पहलगाम-काण्ड ने एक सौ चालीस करोड़ भारतीयों को एक स्वर से बोलने का अवसर दिया है। लेकिन, और यह महत्वपूर्ण है, संघर्ष के दौरान भले ही सवाल उठाना उचित नहीं था, पर अब, जबकि स्थितियां सुधरने का संकेत दे रही हैं, हमें यानी 140 करोड़ भारतीयों को अपने आप से यह सवाल पूछना होगा कि हम अक्सर बांटने वाली ताकतों की हिमाकतों के शिकार क्यों बन जाते हैं? पहलगाम की घटना की अमानुषिकता हर दृष्टि से निंदनीय है।

# पाकिस्तान में पनप रहे गृह युद्ध के हालात?

सुरेश हिंदुस्तानी

पाकिस्तान की शहबाज शरीफ की सरकार को राजनीतिक विरोधियों के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है, वहीं आम जनता भी सरकार के युद्ध विराम के फैसले से नाखुश है। आम जनता अपनी ही सरकार और सेना पर कई प्रकार के सवाल खड़े करने लगी है। कहा जाता है कि जब धुआं उठा है तो आग भी अपना रूप दिखा सकती है। वैसे पाकिस्तान के बारे में यह सत्य है कि उसने अपने ही देश में बारूद के ढेर स्थापित कर दिए हैं।

पहलगांव में घटित आतंकी घटना के बाद भारत की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई से एक बार फिर से पाकिस्तान हताश और निराश दिखाई दिया। इसी हताशा के चलते पाकिस्तान ने अमेरिका के समक्ष मिन्नत करके भारत की जबरदस्त कार्यवाही को युद्ध विराम में परिवर्तित करने में सफलता प्राप्त की। लेकिन इससे पाकिस्तान पर मंडरा रहे संकट का पूरा समाधान नहीं निकल सका है। भारत की ओर से स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते। आतंक और वार्ता एक साथ नहीं हो सकती। इसका आशय स्पष्ट है कि भारत किसी के दबाव में नहीं है। आतंक को समाप्त करने के लिए उसका अभियान जारी रहेगा। हालांकि अब युद्ध विराम हो गया है, लेकिन चारों तरफ से बुरी तरह से घिर चुके पाकिस्तान के सामने अब नई चुनौती पैदा हो गई है।

यह नई चुनौती भारत ने नहीं, बल्कि उनके अपनों ने ही पैदा की है। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ की सरकार को राजनीतिक विरोधियों के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है, वहीं आम जनता भी सरकार के युद्ध विराम के फैसले से नाखुश है। आम जनता अपनी ही सरकार और सेना पर कई प्रकार के सवाल खड़े करने लगी है। कहा जाता है कि जब धुआं उठा है तो आग भी अपना रूप दिखा सकती है। वैसे पाकिस्तान के बारे में यह सत्य है कि उसने अपने ही देश में बारूद के ढेर स्थापित कर दिए हैं। यह बारूद के ढेर आतंकी सरगनाओं द्वारा चल रहे प्रशिक्षण शिविर हैं। जहां आतंकी पैदा किए जाते हैं। आज जहां पूरे विश्व में आतंक के विरोध में वातावरण है, वहीं पाकिस्तान आतंकियों को पालने और पोषने वाले देश के रूप में पहचान बना चुका है। यह कई बार प्रमाणित भी हो चुका है। आज भी पाकिस्तान के अंदर अंतरराष्ट्रीय आतंकी तौर पर घोषित आतंकी छिप कर बैठे हैं। भारत ने आपरेशन सिन्दूर के तहत जिस तरह से आतंकी शिविरों पर आक्रमण किया था, उससे एक बार फिर यह सिद्ध हो चुका है कि पाकिस्तान में आतंकवादियों को पैदा करने के उद्योग चल रहे हैं।

पाकिस्तान को आतंक के विरोध में कार्यवाही करने के लिए कई बार चेतावनी दी गई, लेकिन पाकिस्तान सरकार आतंकियों के विरोध में कोई ठोस अभियान नहीं चलाती। इसका कारण यह भी है कि पाकिस्तान की राजनीति को आतंकी ही संचालित करते हैं। आतंकियों द्वारा कई बार सरकार को बनाने के लिए राजनीतिक दलों का समर्थन भी दिया जाता है। जब पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार थी, तब यही कहा जाता है कि इमरान को सेना और आतंकियों का समर्थन मिला था। आज इमरान की पार्टी विपक्ष में है। इसलिए उनकी पार्टी के कार्यकर्ता सरकार के विरोध में वातावरण बनाने में लगे हुए हैं। पाकिस्तान के अंदर राजनीतिक विद्वेष इतना है कि जो भी राजनीतिक दल सत्ता में आता है, वह अपने पूर्ववर्ती सत्ता प्रमुख को ठिकाने लगाने को ही अपना प्रमुख कार्य मानता है।

अभी शहबाज शरीफ प्रधानमंत्री हैं, उन्होंने अपने से पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर कई आरोप लगाकर जेल भेजने का काम किया। पाकिस्तान में ऐसा पहली नहीं हुआ। ऐसा पहले भी हो चुका है। इसलिए यही कहा जा सकता है कि यह पाकिस्तान की नियति बन चुका है। जिसके कारण पाकिस्तान के राजनीतिक दलों में बहुत गंभीर मतभेद हैं। आज पाकिस्तान में भले ही पाकिस्तान मुस्लिम लीग के नेता शहबाज शरीफ प्रधानमंत्री हैं, लेकिन पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो भी सरकार में शामिल हैं। कभी एक दूसरे के धुर विरोधी रहे यह दोनों दल बेमेल गठबंधन करके पाकिस्तान में सरकार चला रहे हैं। ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि इन दोनों दलों का एक ही उद्देश्य था, इमरान खान को सत्ता में आने से रोकना।

सबसे ज्यादा सीट प्राप्त करने के बाद भी इमरान को विपक्ष की भूमिका से संतुष्ट होना पड़ा। अब इमरान खान के समर्थक युद्ध विराम के बाद सरकार के विरोध में अभियान छेड़े हुए हैं। इसी प्रकार ब्लूचिस्तान की भूमिका के बारे में सब जानते हैं। बीएलए के सैनिकों ने पाकिस्तान की सेना पर कई बार आक्रमण करके यह जता दिया है कि वे अब पाकिस्तान के साथ नहीं रह सकते। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रही जग के बीच ब्लूचिस्तान ने भी पाकिस्तान की सेना को निशाना बना कर कई आक्रमण किए। इससे पूर्व ब्लूचिस्तान के लड़ाकों ने जफर एक्सप्रेस को हाई जैक करके पाकिस्तान की सरकार के समक्ष चुनौती पूर्ण हालात पैदा कर दिए थे। ब्लूचिस्तान लम्बे समय से पाकिस्तान से आजादी की मांग कर रहा है। दूसरी ओर पाकिस्तान के अंदर सिंध और पंजाब में भी कई बार सरकार के विरोध में स्वर मुखरित हो चुके हैं। कहा जाता है कि इन दोनों राज्यों के साथ सरकार ने उपेक्षित व्यवहार किया है। जिसके कारण पाकिस्तान की सरकार को जनता के विरोध का सामना करना पड़ा है। यह सारी स्थिति पाकिस्तान को गृह युद्ध की ओर भी ले जा सकती हैं।

# साबूदाना से बनाएं ये लजीज व्यंजन

सफेद मोतियों की तरह दिखने वाला साबूदाना कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह शरीर को एलर्जी देता है। इसके अलावा साबूदाना खाने से स्वास्थ्य को कई लाभ होते हैं। साबूदाना कसावा के जड़ों से तैयार किया जाने वाला स्टार्च है। यह मोतियों की तरह दिखने में होता है, जिसे कसावा को तरल करके मशीनों की मदद से ठोस किया जाता है। अक्सर लोग व्रत के दौरान साबूदाने से कई तरह के डिश बनाते हैं। कई लोग इसे ब्रेकफास्ट में खाना पसंद करते हैं। साबूदाने से बनी खीर, नमकीन खिचड़ी, वड़ा आदि बहुत स्वादिष्ट होते हैं। यह पोषक तत्वों से भरपूर आहार है। इसमें फाइबर, आयरन, पोटैशियम, कैल्शियम और एंटी ऑक्सीडेंट गुण भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी है। ये पकवान बनाना काफी आसान है और इसे खाकर आपका मन भी खुश हो जाएगा। तो चलिए आपको भी साबूदाना से बनने वाले 6 पकवानों के बारे में बताते हैं।

## साबूदाना खीर

इसे बनाने के लिए आपको साबूदाना, दूध, चीनी, इलायची पाउडर, किशमिश, बादाम की जरूरत पड़ेगी। इसे बनाने के लिए सबसे पहले भीगे हुए साबूदाना को दूध में डाकर अच्छी तरह से उबाल लें। जब ये सही से पक जाए तो इसमें चीनी और इलायची पाउडर डालकर मिक्स करें। चीनी घुल जाने के बाद इसमें बादाम औक किशमिश को डालें और दो से तीन मिनट के लिए पकने दें। इसे आप गर्म या ठंडा भी परोस सकते हैं।

## साबूदाना टिक्की

साबूदाना टिक्की पतली पैन-फ्राइड पैटी होती है जिसे टैपिओका मोती, मसले हुए आलू और मसालों से बनाया जाता है। साबूदाना कटलेट के नाम से भी जानी जाने वाली ये कुरकुरी पैटी एक स्वादिष्ट नाश्ता है जो कुछ ही समय में खत्म हो जाएगा। इसे बनाने के लिए आपको भीगे हुए साबूदाना और उबले हुए आलू की जरूरत पड़ेगी। इसे बनाने के लिए सबसे पहले उबले आलू, हरी मिर्च, धनिया और सेंधा नमक मिलाकर मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण से छोटे-छोटे गोले बनाकर टिक्की बना लें। टिक्की बनाने के बाद इसे तवा पर घी गरम करें और इन टिक्की को घी में सेक लें। इन्हें सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेकें, ताकि ये खाने में स्वादिष्ट दिखे।

## साबूदाना नमकीन

इसे बनाने के लिए आपको बड़े आकार के साबूदाना की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए सबसे पहले देसी घी में साबूदाना को भून लें। इसके बाद मूंगफली, मखाने और काजू-किशमिश को भी भून लें। सभी चीजों को भूनने के बाद मिक्स करें और उसमें सेंधा नमक, हल्की काली मिर्च डालें और मिलाएं। बसे इसे आप चाय के साथ खा सकते हैं।

## साबूदाना चीला

यदि कुछ तला हुआ खाना नहीं चाहते हैं तो साबुदाना चीला तैयार करें। इसे बनाने के लिए भीगे हुए साबूदाना को दरदरा पीस लें। चाहें तो इसे हाथ से ही मैश कर लें। अब इसमें थोड़ा सा कुट्टु का आटा, उबले आलू, हरी मिर्च, धनिया और सेंधा नमक डालकर मिश्रण तैयार करें। इस मिश्रण को न तो ज्यादा पतला रखें और न ही ज्यादा गाढ़ा। इस मिश्रण से नॉन स्टिक तवे पर साबूदाना चीला तैयार करें। इसे दोनों साइड से सुनहरा होने तक सेकें।

## साबूदाना खिचड़ी

यदि आप साबुदाना व्यंजन बनाने का प्लान कर रही हैं तो सबसे सही विकल्प है साबूदाना खिचड़ी। एक तो इसे बनाना काफी आसान है और दूसरा ये खाने में भी स्वादिष्ट लगती है। इसे बनाने के लिए आपको 15 मिनट के भी कम समय लगेगा। साबूदाना खिचड़ी बनाना चाहते हैं तो सबसे पहले कम से कम 6-7 घंटों के लिए साबूदाना को भिगो कर रख दें। जब ये फूल कर पारदर्शी दिखने लगे तो आप इससे खिचड़ी बना सकते हैं। अब इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में आलू और मूंगफली को भून लें। जब ये भुन जाएं तो घी में जीरा और हरी मिर्च डालें। अब जब ये भुन जाए तो इसमें भिगा हुआ साबूदाना डालें और अच्छे से चलाएं। इसे चलाते हुए इसमें सेंधा नमक, काली मिर्च और डालकर मिक्स करें। इसे सही से मिक्स करने के बाद ऊपर से हरा धनिया डालें और गरम ही परोसें।

## साबूदाना वड़ा

जिस तरह से साबूदाना टिक्की को तवे पर सेका जाता है, ठीक उसके उलट वड़ा को घी में तला जाता है। इसे बनाने के लिए उबले आलुओं में भीगा हुआ साबूदाना, हरी मिर्च, धनिया और सेंधा नमक अच्छी तरह से मिक्स करें। मिक्स करने के बाद इससे गोल-गोल वड़ा बना लें। अब इसे घी या मूंगफली के तेल में तल लें।

## हंसना मना है

पत्नी ने गुस्से में पति से कहा: मैं तंग आ गई हूं रोज की किच-किच से.. मुझे तलाक चाहिये! पति: ये लो चॉकलेट खाओ.. पत्नी (रोमांटिक होते हुए): मना रहें हो मुझे.. पति: नहीं रे पगली, मां कहती है, अच्छा काम करने से पहले, मीठा खाना चाहिए।

इंग्लिश ग्रामर की टीचर: आज हम नाउन पढ़ेंगे, टीचर: लड़की सबसे हंस के बात करती है, इसमें लड़की क्या है? पप्पू- मैडम जी वो लड़की बिगड़ी हुई है, किसी लड़के के चक्कर में पड़ी है।

पति बाल कटवाकर घर आया। पति: देखो, मैं तुमसे दस साल छोटा लगता हूं कि नहीं? पत्नी: मुंडन करवा लेते तो लगता जैसे अभी पैदा हुए हो।

पप्पू: पापा बुलेट दिला दो, बाप: पड़ोसन की लड़की को देख बस से जाती है.. पप्पू: यही तो देखा नहीं जाता!

मेरे एक पड़ोसी है, जिनका नाम है 'भगवान' और उनकी लड़की का नाम है भक्ति, मम्मी बोलती है कि, 'बेटा भगवान की भक्ति में मन लगाया कर' अब मम्मी को कैसे समझाऊ की भक्ति में तो मन लगाता हूं, पर भगवान नहीं मान रहे।

## कहानी — संगति का असर

एक बार एक राजा शिकार के उद्देश्य से अपने काफिले के साथ किसी जंगल से गुजर रहा था। दूर-दूर तक शिकार नजर नहीं आ रहा था, वे धीरे-धीरे घनघोर जंगल में प्रवेश करते गए। अभी कुछ ही दूर गए थे की उन्हें कुछ डाकुओं के छिपने की जगह दिखाई दी। जैसे ही वे उसके पास पहुचें कि पास के पेड़ पर बैठा तोता बोल पड़ा-पकड़ो-पकड़ो एक राजा आ रहा है इसके पास बहुत सारा सामान है लूटो लूटो जल्दी आओ जल्दी आओ। तोते की आवाज सुनकर सभी डाकू राजा की और दौड़ पड़े। डाकुओं को अपनी ओर आते देख कर राजा और उसके सैनिक दौड़ कर भाग खड़े हुए। भागते-भागते कोसो दूर निकल गए। सामने एक बड़ा सा पेड़ दिखाई दिया। कुछ देर सुस्ताने के लिए उस पेड़ के पास चले गए, जैसे ही पेड़ के पास पहुंचे कि उस पेड़ पर बैठा तोता बोल पड़ा-आओ राजन हमारे साधु महात्मा की कुटी में आपका स्वागत है। अन्दर आइये पानी पीजिये और विश्राम कर लीजिये। तोते की इस बात को सुनकर राजा हैरत में पड़ गया और सोचने लगा की एक ही जाति के दो प्राणियों का व्यवहार इतना अलग-अलग कैसे हो सकता है। राजा को कुछ समझ नहीं आ रहा था। वह तोते की बात मानकर अन्दर साधु की कुटिया की ओर चला गया, साधु महात्मा को प्रणाम कर उनके समीप बैठ गया और अपनी सारी कहानी सुनाई और फिर धीरे से पूछा, ऋषिवर इन दोनों तोतों के व्यवहार में आखिर इतना अंतर क्यों है। साधु महात्मा धैर्य से सारी बातें सुनी और बोले, ये कुछ नहीं राजन बस संगति का असर है। डाकुओं के साथ रहकर तोता भी डाकुओं की तरह व्यवहार करने लगा है और उनकी ही भाषा बोलने लगा है। अर्थात जो जिस वातावरण में रहता है वह वैसा ही बन जाता है कहने का तात्पर्य यह है कि मूर्ख भी विद्वानों के साथ रहकर विद्वान बन जाता है और अगर विद्वान भी मूर्खों के संगत में रहता है तो उसके अन्दर भी मूर्खता आ जाती है।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष** — पुराना रोग उभर सकता है। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे।

**वृषभ** — व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा। व्यर्थ समय न गंवाएं। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

**मिथुन** — घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

**कर्क** — कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें।

**सिंह** — बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है। समय पर कर्ज चुका पाएंगे।

**कन्या** — पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। अपने काम पर ध्यान दें। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

**तुला** — दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। बेवजह तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। फालतू बातों पर ध्यान न दें। आय में निश्चितता रहेगी।

**वृश्चिक** — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता बनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी।

**धनु** — उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

**मकर** — नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

**कुम्भ** — फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

**मीन** — यात्रा लाभदायक रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

## रणबीर कपूर को बायकॉट करने की फिल्म इंडस्ट्री की औकात नहीं : विवेक

विवेक अग्निहोत्री कश्मीर फाइल्स और ताशकंद फाइल्स जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने कहा कि वो हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के ज्यादातर प्रोड्यूसर्स एक्टर्स और उनकी फाइनेंशियल डिमांड से परेशान हो गए हैं। विवेक ने कहा कि हर फिल्ममेकर पीछे से एक्टर्स की बुराई करते हैं लेकिन सामने से किसी में भी कुछ कहने की हिम्मत नहीं है। विवेक अग्निहोत्री ने कहा कि रणबीर कपूर को क्रिटिसाइज करने की इंडस्ट्री में किसी की हिम्मत नहीं है। रणबीर बहुत पावरफुल हैं। विवेक ने कहा, औकात ही नहीं है इनकी, हिम्मत है करने की, करके दिखाएं। विवेक अग्निहोत्री ने संदीप रेड्डी वांगा के बयान पर रिएक्ट किया। आगे विवेक ने कहा, मैं आपको चैलेंज करता हूं कि आप कोई एक नाम लेकर बताइए जो इंडस्ट्री में एक्टर्स की बुराई न करते हों। पब्लिक में कहने की उनकी हिम्मत हैं? उनमें नहीं है। तो वो परेशान होना डिजर्व करते हैं। दो फिर 150 करोड़ घटिया काम के, सड़ी हुई एक्टिंग के। उन्होंने स्टार्स के साथ अपना भाग्य जोड़ दिया है। इसीलिए मैंने बॉलीवुड छोड़ दिया। मुझे एक्चुअल स्टार्स से दिक्कत नहीं है। लेकिन जिन एक्टर्स ने कुछ अचीव नहीं किया है और वो स्टार्स की हवा में हैं उनसे परेशानी है। बता दें कि संदीप वांगा रेड्डी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा था कि एनिमल रिलीज के बाद रणबीर को अकेला छोड़ दिया था। रणबीर को कोई कुछ कहना नहीं चाहता था। उन्होंने कहा था, जिन लोगों ने बुरी तरह से आलोचना की, फिल्म से जुड़े लोग, सभी ने कहा कि रणबीर शानदार थे। मुझे रणबीर से जलन नहीं है। लेकिन रणबीर शानदार थे लेकिन लेखक निर्देशक... मैं इस असमानता को नहीं समझता।

# 23 मई को तेलुगु के सिनेमाघरों में रिलीज होगी केसरी चैप्टर-2

अक्षय कुमार की बॉक्स ऑफिस पर सोई किस्मत के सितारे जागने ही वाले थे कि रेड 2 ने आकर उस पर ग्रहण लगा था। 18 अप्रैल को रिलीज हुई केसरी चैप्टर 2 ने रिलीज के 17 दिनों तक बॉक्स ऑफिस पर जमकर नोट छापे। हालांकि, 18वें दिन अजय देवगन की फिल्म के क्रेज के आगे केसरी-2 का बस नहीं चला।

हालांकि, खिलाड़ी कुमार भी हार मानने वालों में से नहीं हैं। अब रेड 2 को कलेक्शन के मामले में मजा चखाने के लिए अक्षय कुमार ने एक ऐसा दांव खेला है, जो बॉक्स ऑफिस का पूरा गणित बदल सकता है। हिंदी के बाद अब एक और भाषा में इस फिल्म को सुपरस्टार रिलीज करने जा रहे हैं।

साउथ ऑडियंस के लिए रिलीज होगी केसरी चैप्टर 2 अक्षय कुमार की फिल्म केसरी चैप्टर 2 बॉक्स ऑफिस पर रेड 2 के लिए तो मुसीबत खड़ी करेगी ही, लेकिन साउथ की दो फिल्में भी इसके निशाने पर हैं। अक्की ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट करते हुए बताया कि ये फिल्म अब साउथ में तेलुगु ऑडियंस भी देख सकेगी।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, जो दफन किया गया, सिर्फ वह सच नहीं था। वह न्याय नहीं था। केसरी चैप्टर 2 तेलुगु में 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म के वहां पर रिलीज होने से सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर रेड 2 ही नहीं, बल्कि नानी की हिट और सूर्या की रेट्रो के लिए भी खतरा हो सकता है।

केसरी चैप्टर 2 की बात करें तो ये फिल्म 13 अप्रैल 1919 में अमृतसर के जलियांवाला बाग हत्याकांड में हुई घटना पर बेस्ड रियल स्टोरी है, जिसमें 10 मिनट में 1650 गोलियां चली थीं, जिसमें कई निर्दोष लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। मूवी में अक्षय ने सी शंकरन नायर का किरदार अदा किया था, वहीं अनन्या पांडे मूवी में जूनियर वकील बनी हैं, जिनकी मदद से वह अंग्रेजी सरकार के खिलाफ केस लड़ती हैं।

केसरी चैप्टर 2 के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो हिंदी भाषा में ये फिल्म कमाई के मामले में रेड 2 से पीछे रह गई है। इस मूवी ने अभी तक सिर्फ 88.05 करोड़ तक का कलेक्शन किया है।

# पाताललोक-2 के बाद जयदीप की बढ़ गई कई गुना नेटवर्थ

जयदीप अहलावत और सैफ अली खान की फिल्म ज्वेल थीफ इन दिनों ओटीटी पर खूब धमाल मचा रही है, लेकिन इस वक्त जयदीप अपनी फिल्म नहीं बल्कि किसी और चीज की वजह से सुर्खियों में आ गए हैं। दरअसल कभी फिल्मों में छोटे-मोटे रोल करने वाले जयदीप आज करोड़ों के मालिक बन चुके हैं। 'पाताल लोक 2' के बाद एक्टर की नेटवर्थ कई गुना बढ़ गई है। ये आंकड़ें सुनकर आप भी दंग रह जाएंगे।

एक रिपोर्ट के अनुसार पाताल लोक 2 के बाद जयदीप अहलावत की नेटवर्थ कई गुना बढ़ गई है। दरअसल एक्टर ने सीरीज के दूसरे सीजन के लिए कथित तौर पर 20 करोड़ रुपए चार्ज किए थे। इस फीस के बाद जयदीप की नेटवर्थ 8 करोड़ से बढ़कर लगभग 28 करोड़ रुपए हो गई और आज एक्टर एक लैविश लाइफ स्टाइल के मालिक हैं।

हालांकि जब एक इंटरव्यू में जयदीप से उनकी नेटवर्थ के बारे में पूछा गया था तो एक्टर ने इसपर मजाक करते हुए कहा था कि, अरे यार इतना था तो मुझे बता तो देते। मैं कुछ कर लेता इस पैसे का है कहां ये पैसा, गया कहां? बता दें कि पाताल लोक के दूसरे सीजन को भी लोगों का बेशुमार प्यार मिला था।

बॉलीवुड | मसाला

इस सीरीज में एक्टर ने हरियाणवी पुलिस ऑफिसर का रोल निभाया था। बात करें जयदीप अहलावत की हालिया रिलीज फिल्म 'ज्वेल थीफ' की तो इसमें उनके साथ एक्टर सैफ अली खान नजर आए हैं। दोनों की जोड़ी को फैंस ने काफी पसंद किया। ये फिल्म ओटीटी पर काफी दिनों तक ट्रेंड में रही। साथ ही पाकिस्तान में भी फिल्म को खूब पसंद किया जा रहा है।

अजब-गजब | इसे कहा जाता है दुनिया का सबसे पवित्र कब्रिस्तान

# यहां 400 सालों से दफनाए जा रहे हैं लोग, वजह है खास

क्या आप दुनिया की सबसे बड़े कब्रिस्तान के बारे में जानते हैं। यह केवल एक कब्रिस्तान ही नहीं है। बल्कि एक तरह का अजूबा है। इराक के नजफ शहर इस्लाम का एक पवित्र शहर माना जाता है। यहां पर मौजूद एक कब्रिस्तान का नाम वादी उस सलाम, इसका मतलब शांति की घाटी होता है, लेकिन यह कब्रिस्तान का ही नाम है। इसे दुनिया का सबसे बड़ा कब्रिस्तान माना जाता है और इतना ही नहीं बताया जाता है कि यहां बीते 1400 सालों से लोगों को आज तक दफनाया जा रहा है जिसमें अब तक लाखों लोगों को दफनाया जा चुका है।

नजफ इराक का छोटा शहर नहीं है। 6 लाख की आबादी वाला यह शहर पवित्र माना जाता है। शहर से लगे कब्रिस्तान में लाखों लोग दफन हैं। और यह सब एक 10 किलोमीटर लंबी घाटी में है। यहां बीते 1400 सालों को दफनाया जा रहा है और ये सिलसिला कभी नही रुका है। यहां पर बड़ी खास हस्तियों की कब्रें बताई जाती है।

इस कब्रिस्तान के खास होने की एक वजह है। कब्रिस्तान के बारे में शिया मुस्लिम मानते हैं कि सारी पवित्र आत्माएं चाहे उन्हें कहीं भी दफनया गया हो, आखिर में यहां यहीं आएंगी। बहुत से पैगम्बर, राजा, शहजादे, सुल्तान आदि की यहां कब्र है। इनमें पैगम्बर हुद, पैगम्बर सालेह, आयातुल्ला सैयद, मोहम्मद बशीर अल सदर और अली बिन तालिब आदि की कब्रें यहीं पर हैं।

हैरानी की बात नहीं आसपास के इलाकों के कई लोग यहां दफनाए जाते होंगे यहां तक कि कई लोग दूसरे यहां कर आखिरी सांस लेना पसंद करते होंगे जिससे उन्हें मरने के बाद वादी उस सलाम में जगह मिल सके। इसमें पक्की ईंटों और प्लास्टर की कब्रें हैं। यहां तक कि कई कब्र कुछ मंजिला हैं। कई अमीरों ने कब्रें अलग ही तरह की बना रखी हैं। कुछ कब्रों को मजार या कमरे का आकार देकर उन पर गुंबद भी बनाया गया है तो वहीं कुछ कब्रों तक पहुंचने के लिए सीढ़ी से नीचे उतरना होता है। पुरानी कब्रें बहुत साधारण है, लेकिन 1930 और 1940 के दशक की कब्रों की अलग ही स्टाइल है। उनके ऊपर 10फुट के गोलाकार सिरे हैं जहां से वे लोगों को पड़ोस की कब्रों से अलग दिख सकें।

2003 में इराक युद्ध में इराकी लड़ाके यहां कई बार अपने हथियार छिपाया करते थे और इस कब्रिस्तान को छिपने और छिप कर हमला करने के लिए इस्तेमाल किया करते थे. अमेरिकी इस इलाके में नहीं आ सकते थे और यहां एक तरह की भूल भुलैया सी है इसलिए यहां तलाशी भी बहुत ही मुश्किल काम होता था.

2003 के दौर में ही इस कब्रिस्तान का विस्तार भी देखने को मिला उस दौर में इसका आकार 40 फीसदी बढ़ गया और तब से बढ़ते बढ़ते आज के 6 वर्ग किलोमीटर तक पहुंच गया. 2004 के बाद 2006-07 में शिया सुन्नी झगड़े के दौरान भी यहां बहुत ज्यादा लोग मारे गए थे. लेकिन हाल के कुछ सालों में इसका फैलाव कुछ रुका है

# गजब! अपने देश में नहीं मिला घर तो विदेश में जाकर खरीद लिया गांव

दुनिया मे हर जगह घर खरीदना आसान नहीं है। पर कुछ देश और कुछ शहर ऐसे हैं जहां पर प्रॉपर्टी खरीदना बहुत ही महंगा होता है। अमेरिका जैसे देश के कुछ शहरों में तो लोग वैन में रहते हैं क्योंकि वे घर खरीदना तो दूर किराये के मकान में भी नहीं रह सकते हैं। यूके का भी कुछ ऐसा ही हाल है। एक कपल के साथ ऐसा ही हो रहा था उन्हें भी अपने देश में घर खरीदना बहुत ही महंगा पड़ रहा था। लेकिन उन्होंने इस झमेले में उलझने के बजाय एक दूसरा अनूठा फैसला लिया और विदेश में प्रॉपर्टी खरीदने की सोची। इसका नतीजा जो निकला वह लोगों को हैरान कर रहा है। उन्होंने एक छोटा सा गांव ही खरीद लिया। बेन पियरसन और उनके साथी नाथन यूके में प्रॉपर्टी की बढ़ती कीमतों से परेशान हो गए थे। कुछ साल पहले ही बेन की मां फ्रांस में रहने चली गई थीं। सात साल पहले जब कपल फ्रांस गया तो उन्हें एक पुराना फार्म पसंद आया था। असल में यह एक छोटा सा गांव था इसमें पांच इमारते हैं और दो एकड़ की जमीन थी। एक यूके में मकान खरीदे के बाद नौकरी और दूसरी परेशानियों में उलझना नहीं चाहते थे। ऐसे में तीन साल पहले उन्होंने तय किया था कि आखिर वे सरल जीवन जिएंगे और इसलिए उहोंन एक रिटायरमेंट वाले घर की तलाश शुरू की, लेकिन दो साल पहले वे यह देखकर हैरान रह गये कि जो फार्म उन्हें पसंद आया था वह बिकाऊ है और दो साल की कवायद के बाद बीते दिसंबर में उन्होंने आखिर फॉर्म खरीद ही लिया। बेन और नाथन को यह फार्म करीब 90 लाख रुपयों का पड़ा। बेन ने बताया कि इतने में तो यूके में एक प्लैट तक नहीं मिलता है। यह फार्म उस समुदाय में सबसे पुरानी सम्पति है, जमीन करीब 17वीं सदी की है और घर 19वीं सदी का है। ऊर्जा का स्रोत केवल आग है। घर को छत, सेप्टिक टैंक और काफी कुछ बनवाने की जरूरत है। कपल ने तय किया है कि सब कुछ वे खुद ही करेंगे। दोनों अपने गांव से खुश हैं और दुनिया के लिए उसे नहीं बदलना चाहते हैं। कपल छह महीने में ही घर को रहने लायक और कमरे अपने लिए तैयार कर लेगा, लेकिन तब तक दोनों ने कारवां, यानी वैन में ही रहने का फैसला किया है। बेन का इरादा घर को जितना हो सके पुरानी ही अवस्था में रखा जाए और केवल जरूरत के मुताबिक ही बदलाव या निर्माण करवाया जाए।

# पाकिस्तानी झंडे को लेकर ई-बिक्री प्लेटफार्म को नोटिस

## वॉकी-टॉकी की बिक्री पर भी रोक

**» मंत्री प्रह्लाद जोशी बोले- अमेजन, फ्लिपकार्ट मीशो और ओएलएक्स राष्ट्रीय कानूनों का करे पालन**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने अमेजन इंडिया और फ्लिपकार्ट समेत प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों को उनके प्लेटफॉर्म पर पाकिस्तानी प्रतीकों वाले झंडे और सामान की बिक्री के संबंध में नोटिस जारी किया है। केंद्रीय उपभोक्ता मामले के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी।**

केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की पोस्ट में लिखा कि सीसीपीए ने पाकिस्तानी झंडों और उससे संबंधित सामान की बिक्री को लेकर अमेजन, फ्लिपकार्ट यूबाय इंडिया, एटसी, द फ्लैग कंपनी और द फ्लैग कॉर्पोरेशन को नोटिस जारी किया है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसी असंवेदनशीलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जोशी ने कहा, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों को निर्देश दिया जाता है कि वे ऐसी सभी सामग्री को तुरंत हटा दें और राष्ट्रीय कानूनों का पालन करें। मंत्री ने सभी ऑनलाइन खुदरा विक्रेताओं को देश में व्यापार करते समय भारतीय कानूनों का सख्ती से पालन करने की चेतावनी भी दी। पिछले हफ्ते सीसीपीए ने उचित डिस्क्लोजर, लाइसेंसिंग जानकारी या इक्विपमेंट टाइप अप्रूवल (ईटीए) के बिना अपने प्लेटफॉर्म पर वॉकी-टॉकी की लिस्टिंग और बिक्री के खिलाफ अमेजन, फ्लिपकार्ट, मीशो और ओएलएक्स जैसे प्रमुख डिजिटल मार्केटप्लेस को 13 नोटिस जारी किए थे। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार, वायरलेस ऑपरेटिंग लाइसेंस की आवश्यकता या लागू कानूनों के अनुपालन के बारे में अनिवार्य और स्पष्ट डिस्क्लोजर के बिना ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर वॉकी-टॉकी बेचे जा रहे हैं। प्रारंभिक विश्लेषण से अमेजन पर लगभग 467, फ्लिपकार्ट पर 314, मेशो पर 489 और ट्रेडइंडिया पर 423 ऐसी लिस्टिंग का पता लगा, जो इस मामले की गंभीरता को दिखाती है।

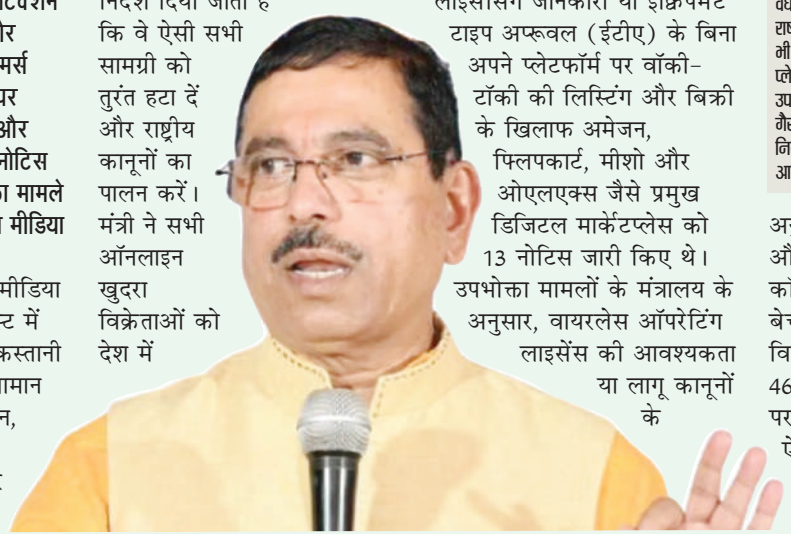

### गैरकानूनी प्रथा को रोकना होगा

केंद्रीय मंत्री जोशी ने कहा था कि गैर-अनुपालन वाले वायरलेस उपकरणों की बिक्री न केवल वैधानिक दायित्वों का उल्लंघन करती है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा संचालन के लिए महत्वपूर्ण जोखिम भी पैदा कर सकती है। मंत्री ने एक्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया, सभी विक्रेताओं को उपभोक्ता अधिकारों को बनाए रखने और गैरकानूनी व्यापार प्रथाओं को रोकने के लिए लागू नियामक मानकों का सख्ती से पालन करना आवश्यक है।

# जम्मू-कश्मीर में स्थिति सामान्य, स्कूल खुले

**» सीजफायर के बाद स्कूल खुलने से छात्रों में खुशी**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**राजौरी। भारत-पाक के सीजफायर के बाद जम्मू-कश्मीर में स्थिति सामान्य है। जिसे देखते हुए राजौरी, सांबा सहित अन्य इलाकों में स्कूल दोबारा खोल दिए गए हैं। विजयपुर और प्रमंडल जोन के 150 स्कूल खोले गए। गुरुवार को काफी संख्या में छात्र स्कूल पहुंचे। इस दौरान छात्रों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली। छात्रा कनिका ने बताया कि बीते दिनों सुरक्षा कारणों की वजह से स्कूल बंद थे। पढ़ाई को काफी नुकसान हुआ। हालांकि, घर से ऑनलाइन क्लास ली। लेकिन, जिस तरह से बीते दिनों माहौल रहा, पढ़ाई पूरी नहीं हो पाई है। कनिका ने बताया कि यहां पर स्थिति सामान्य है और करीब 8 दिनों के बाद हमारे स्कूल दोबारा से शुरू हो रहे हैं और हम ऑफलाइन क्लासेज लेने के लिए स्कूल पहुंचे हैं। छात्रा ने बताया कि 8 दिन बाद स्कूल पहुंचकर काफी खुशी हो रही है।**

एक अन्य छात्रा ने बताया कि बीते दिनों भारत-पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण माहौल था। जिसकी वजह से हमारे स्कूल 8 दिन तक बंद रहे थे। हमारी क्लासेज ऑनलाइन होने से काफी नुकसान हुआ। नेटवर्क संबंधित कारणों की वजह से अच्छे से क्लासेज नहीं ले पाए हैं। ऑफलाइन क्लासेज और ऑनलाइन क्लासेज में काफी अंतर होता है। ऑफलाइन क्लासेज में हमारा चहुमुखी विकास होता है। हमें खुशी है कि हम आज से ऑफलाइन क्लासेज लेंगे। छात्रा ने बताया कि अब यहां पर स्थिति सामान्य है। एक सवाल के जवाब में छात्रा ने कहा कि पाकिस्तान पर हम भरोसा नहीं कर सकते हैं। क्योंकि, सीजफायर के बाद फिर पाकिस्तान की ओर से उल्लंघन किया गया।

# जलकल नगर निगम कर्मचारी संघ का वार्षिक अधिवेशन संपन्न

**» मंत्री और विधायकों ने कर्मचारियों की मांगों पर जताई सहमति**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। जलकल नगर निगम नियमित एवं आउटसोर्सिंग कर्मचारी संघ का वार्षिक अधिवेशन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम जलकल मुख्यालय में भव्यता के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री मनकेश्वर शरण सिंह रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर निगम सभापति बृजेश सिंह, एमएलसी पवन सिंह चौहान, सदर विधायक श्याम धनी राही, विधायक राहुल सोनकर, और भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र कनौजिया उपस्थित रहे।**

कार्यक्रम में नगर निगम के कई पार्षद भी मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरुआत संगठन के नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाने के साथ हुई। अध्यक्ष नितिन त्रिवेदी, महामंत्री आकाश कुमार गुप्ता और कोषाध्यक्ष रुदल राजभर ने औपचारिक रूप से पद की शपथ ली। इनके साथ अन्य कार्यकारिणी सदस्यों ने भी अपने-अपने पदों की जिम्मेदारियां ग्रहण कीं।

# लखनऊ में डबल डेकर बस बनी आग का गोला

**» दो बच्चों समेत 5 यात्रियों की मौके पर मौत, कई यात्रियों ने कूद कर बचाई जान**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आज तड़के एक दर्दनाक हादसे में पांच यात्रियोंककी बस में जलकर मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब एक डबल डेकर बस में किसान पथ पर आग लग गयी। बस पटना से दिल्ली जा रही थी। पूरा प्रकरण मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के किसान पथ का है। बताया जा रहा है कि यात्रियों से भरी डबल डेकर बस पटना से दिल्ली जा रही थी तभी लखनऊ के किसान पथ पर पहुंचते ही बस में अचानक आग लग गई। बस में कई यात्री सवार थे और धुआं भरने के बाद अफरा-तफरी मच गई। बस में सवार कई यात्री किसी तरह बस से कूद गए, लेकिन इस हादसे में पांच यात्रियों की जलकर मौत हो गई।**

सभी लोग कामकाज के लिए दिल्ली जा रहे थे। पर पुलिस आयुक्त (मोहनलालगंज) रजनीश वर्मा ने बताया कि बिहार के बेगूसराय से दिल्ली जा रही एक निजी बस में सुबह करीब पांच बजे अचानक आग लग गयी। उन्होंने बताया कि आग लगने से बस में सवार दो बच्चों, दो महिलाओं और एक पुरूष की मौत हो गयी वहीं हादसे में कुछ लोग घायल भी हुये हैं जिन्हें इलाज के लिये अस्पताल ले जाया गया है। वर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि बस के 'गेयर बाक्स' में शार्ट सर्किट के कारण आग लगी। सूत्रों के अनुसार बस में करीब 80 यात्री थे और बस में जब आग लगी उस वक्त सभी लोग सो रहे थे। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि बस का आपातकालीन द्वार नहीं खुला और इस वजह से लोग बस से बाहर नहीं निकल सके। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग इतनी भीषण थी कि एक किलोमीटर दूर तक आग की लपटें दिखाई दे रही थीं।

### फायर बिग्रेड की गाड़ियों ने पाया आग पर काबू

घटना की जानकारी मिलने के बाद दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची और उन्होंने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। साथ ही, पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इसके अलावा, घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

# बोलोग्ना ने कोपा इटालिया का खिताब जीता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**रोम। बोलोग्ना एफसी ने एसी मिलान पर 1-0 की जीत के साथ कोपा इटालिया फेकिआरोसा ट्रॉफी जीत ली है। 1973/74 के बाद पहली बार टीम ने खिताब जीता है। मैच शुरू होने के 3 मिनट बाद मिलान ने पहला मौका बनाया जब लीओ ने विंग पर लुकुमी को हराया और एक खतरनाक क्रॉस भेजा, लेकिन जिमेनेज इसे पूरा नहीं कर सके। 5 मिनट बाद, बोलोग्ना ने कास्त्रो से क्लोज-रेंज हेडर के साथ जवाब दिया, लेकिन मेगनन ने एक शानदार बचाव किया।**

9वें मिनट स्कोर्पस्की ने डबल सेव किया- पहले मिरांडा के डिफ्लेक्शन पर, फिर जोविक के क्लोज-रेंज शॉट को रोक दिया। इन शुरुआती मौकों के बाद दोनों ही टीमों का डिफेंस बेहद रक्षात्मक रहा और पहला हाफ 0-0 पर समाप्त हुआ। दूसरे हाफ की शुरुआत के 7 मिनट बाद बोलोग्ना की तरफ से गोल दागा गया। थियो हर्नांडेज़ ने ओरसोलिनी को टैकल किया और गेंद एनडोये के पास गई, जिन्होंने दाएं पैर से शॉट लगाया। मिलान ने वॉकर, जोआओ फेलिक्स और जिमेनेज को टॉमोरी, जिमेनेज और जोविक के प्रतिस्थापन खिलाड़ी के रूप में लाकर संतुलन बनाने की कोशिश की। बोलोग्ना ने भी फेबियन और ओरसोलिनी के सब्सिट्यूट के तौर पर पोबेगा और कैसले को मैदान में उतारा। बोलोग्ना ने कास्त्रो और एनडोये से कुछ लंबे शॉट लेने की कोशिश की, हालांकि वे लक्ष्य से चूक गए। परिणाम के लिए अतिरिक्त समय भी दिया गया लेकिन इसका फायदा मिलान नहीं उठा सकी। विन्सेन्ज़ो इटालियानो के बोलोग्ना ने 1-0 से जीत हासिल की और कोपा इटालिया फ्रेकियारोसा को अपने नाम कर लिया।

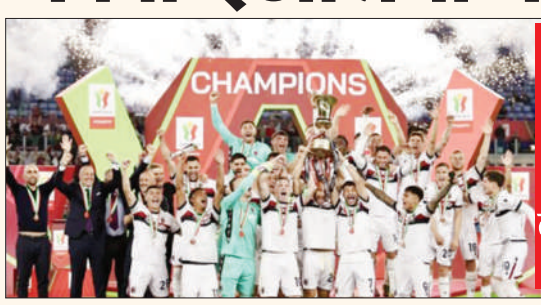


### मिलान को हराकर 51 साल बाद किया कब्जा

### गोल्डन ब्वाय नीरज चोपड़ा बने सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल

ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा को भारतीय सेना में एक बड़ी जिम्मेदारी मिली है। नीरज चोपड़ा को टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल की उपाधि दी गई है। नीरज चोपड़ा भाला फेंक में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। नीरज टोक्यो ओलंपिक 2021 में भारत के लिए जेवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल जीत चुके हैं। अब उन्हें भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल का पद दिया गया है। नीरज चोपड़ा को भारत की टेरिटोरियल आर्मी रेगुलेशन, 1948 के पारा- 31 के तहत शामिल किया गया है। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें लेफ्टिनेंट कर्नल की रैंक दी है। इससे पहले नीरज राजपूताना राइफल्स में सूबेदार के पद पर थे। नीरज 2016 में नायब सूबेदार के पद पर भारतीय सेना में शामिल हुए थे।

# चार इंजन वाली सरकार दिल्ली में उगल रही धुआं

## » मनीष सिसोदिया ने जारी किये वायु प्रदूषण के आंकड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा- बेवकूफ बना रही है भाजपा**

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता लगातार बिगड़ती जा रही है और हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि एयर क्वालिटी इंडेक्स 500 के पार पहुंच गया है। इसी को लेकर आम आदमी पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी पर जोरदार हमला बोला है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने तीखा हमला किया। उन्होंने कहा, बीजेपी की चार इंजन वाली सरकार के चारों इंजन दिल्ली में धुआं छोड़ रहे हैं। यहां एक्यूआई 500 है मतलब जहर न धूप दिखती है न सांस ली जाती है। आंखों में जलन और गले में खराश हो रही है।

सिसोदिया

ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि न तो केंद्र सरकार और न ही दिल्ली के उपराज्यपाल के पास कोई योजना है, न जवाबदेही और न ही कोई इमरजेंसी प्लान। उन्होंने कहा कि केवल भाषण और जुमले दिए जा रहे हैं जबकि दिल्ली वालों को अब भाषण नहीं सांस चाहिए। जुमले नहीं जिंदगी चाहिए। दिल्ली की

### हेल्थ के लिए है खतरनाक

आम आदमी पार्टी का कहना है कि दिल्ली में प्रदूषण का यह स्तर न केवल स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है, बल्कि यह प्रशासनिक विफलता की ओर भी इशारा करता है। विशेषज्ञों के अनुसार, एक्यूआई 500 का मतलब है कि हवा में प्रदूषण का स्तर बेहद खतरनाक है और यह खासतौर पर बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी रोगों से पीड़ित लोगों के लिए जानलेवा हो सकता है। आम आदमी पार्टी ने मांग की है कि तत्काल प्रभाव से आपातकालीन योजना लागू की जाए और प्रदूषण पर नियंत्रण पाने के लिए केंद्र सरकार और उपराज्यपाल कार्यालय ठोस कार्रवाई करें।

पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने भी सोशल मीडिया के जरिए बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा दिल्ली का एक्यूआई मई महीने में पहले कभी इतना नहीं बढ़ा। सीपीसीबी (केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड) के आंकड़ों के अनुसार, 2022 से 2024 तक 15 मई को एक्यूआई कभी भी 243 से ऊपर नहीं गया। लेकिन आज एक्यूआई 500 पार है। क्या बीजेपी इस गंभीर स्थिति की जिम्मेदारी लेगी? दिल्ली के पर्यावरण मंत्री कहां हैं?

# सलमान, शाहरूख और आमिर खान को शिवसेना की धमकी

## » सेना के सम्मान में कोई भी सोशल मीडिया पोस्ट न डालने पर घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना नेता राजू वाघमारे ने गुरुवार को सलमान खान, शाहरुख खान और आमिर खान की मंशा को लेकर बड़ा सवाल किया। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड के यह तीन खान सिर्फ अपनी फिल्मों में ही देशभक्ति दिखाते हैं। लेकिन, सेना के सम्मान में इनकी ओर से एक पोस्ट तक नहीं आता है। दूसरी ओर भारत से सीजफायर की भीख मांगने वाला पाकिस्तान जहां उसका पूर्व क्रिकेटर हार के जश्न में रैली निकाल रहा है। लेकिन, हमारे यहां तीन खान चुप बैठे हैं।

शिवसेना नेता ने कहा कि यह बिलकुल सच है कि हारने के बाद भी शाहिद अफरीदी जैसे लोग अपनी हार को जश्न में बदलने और समर्थन जुटाने के लिए रैलियां और जुलूस निकाल रहे हैं। लेकिन बुरी बात यह है कि यहां बॉलीवुड के सितारे अभी भी घर बैठे हैं और सिर्फ अपनी फिल्मों में देशभक्ति दिखा रहे हैं। तीनों खान शाहरुख, सलमान या आमिर में से किसी ने भी कोई पोस्ट नहीं किया है और न ही सेना के बारे में कुछ कहा है। चूंकि वे इतने बड़े सेलिब्रिटी हैं, इसलिए वे जो भी कहते हैं, उसका बहुत महत्व है। लेकिन देश के लिए ऐसी मुश्किल परिस्थिति में अगर ये तीनों खान चुप रहते हैं और देश और हमारी सेना के लिए समर्थन नहीं जताते हैं, तो उनका क्या फायदा। उन्होंने कहा कि सेना के सम्मान में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बाकी फिल्मी सितारों ने पोस्ट डाली। अमिताभ बच्चन, अजय देवगन, अक्षय कुमार सहित अन्य सितारों ने ट्वीट किया। लेकिन, इन तीनों खानों की ओर से कुछ नहीं आया। इन्हें बताना पड़ेगा कि पाकिस्तान के प्रति प्रेम है या फिर भारत के प्रति प्यार कम हो गया है। इन्हें जवाब देना होगा। इन सितारों का ऐसा रवैया रहा तो जाहिर सी बात है कि शिवसेना बर्दाश्त नहीं करेगी। शिवसेना स्टाइल में जवाब दिया जाएगा।

### शिवसेना करती है निंदा

उन्होंने कहा कि अगर वे ऐसा ही करते रहे, तो शिवसेना इसकी पूरी तरह से निंदा करती है और शिवसेना इन तीनों खानों को अपने स्टाइल में जवाब देगी। जब इनकी मूवी आएगी तब जवाब मिलेगा। उन्होंने कहा कि देश में रहकर अगर देश प्रेम नहीं है तो सबक तो सिखाना ही पड़ेगा। जब वक्त आता है तो यह स्टार दो कदम पीछे जाकर घर पर बैठते हैं।

# पार्टी के लिए राजनीतिक बोझ बन गये विजय शाह!

## » फंस गये मंत्री जी, न कोर्ट बख्शने के मूड में न जनता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**सुप्रीम कोर्ट ने राहत देने से किया इंकार**

भोपाल। मध्य प्रदेश के वरिष्ठ मंत्री विजय शाह की मुसीबतें आने वाले दिनों में बढ़नी तय है। उनके विवादित बयान पर देश की सबसे बड़ी अदालत सुप्रीम कोर्ट ने भी राहत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि सोच समझकर बोलना चाहिए। अदालत की यह टिप्पणी ना सिर्फ कानूनी दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि राजनीतिक, नैतिक और सामाजिक तौर पर भी इसका व्यापक संदेश है। अब जबकि सुप्रीम कोर्ट ने एफआईआर पर रोक लगाने से मना कर दिया है तो यह मान लेना ही उचित होगा कि मंत्री जी को अब तो जेल की चक्की पीसनी ही पड़ेगी। एक बयान पूरे राजनीतिक कैरियर को चौपट कर सकता है।

पूरे देश की जनता उनके बयान से नाराज है और उनपर कार्रवाई की मांग कर रही है। अपने मंत्री पद और जेल जाने से बचने के लिए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाई तो वहां से भी उन्हें फटकार मिली है। विजय शाह को उम्मीद थी कि सुप्रीम कोर्ट उन्हें राहत देगा और एफआईआर पर रोक लगा देगा लेकिन कोर्ट ने साफ शब्दों में कह दिया कि ऐसे बयान सार्वजनिक जीवन में नहीं दिए जा सकते। सोच समझकर बोलिए। यह कोई साधारण गलती नहीं है। कोर्ट की यह टिप्पणी देश के नेताओं को एक कड़ा संदेश देती है कि लोकतंत्र में भाषण की स्वतंत्रता का मतलब यह नहीं कि आप सेना, न्यायपालिका या किसी संवैधानिक संस्था को अपमानित करने का लाइसेंस ले लें। विजय शाह के लिए अब हर रास्ता बंद होता जा रहा है। वहीं पार्टी नेतृत्व ने भी चुप्पी साधे ली है। जो इस बात का संकेत है कि उन्हें अब राजनीतिक बोझ के रूप में देखा जा रहा है।

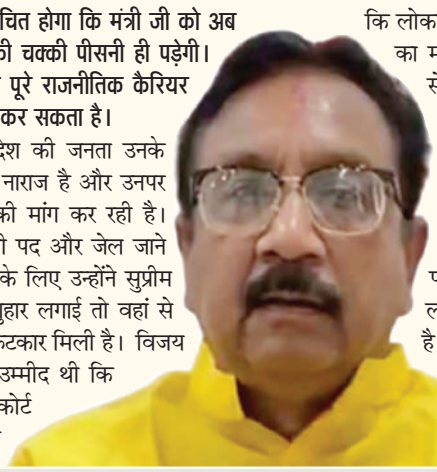

### फैल गया आक्रोश

विजय शाह ने हाल ही में एक सार्वजनिक सभा में भारतीय सेना को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी थी। विजय शाह की शब्दावली और लहजा ऐसा था कि आम जनता, पूर्व सैनिक, और राष्ट्रभक्त वर्ग का खून खौल गया। उनकी बातों को देशद्रोह, सेना का अपमान और राष्ट्र की गरिमा के खिलाफ बताया गया। सोशल मीडिया पर हैशटैग चलने लगे, टीवी डिबेट्स में बहसें तेज हो गईं, और अंततः विजय शाह के खिलाफ कई राज्यों में एफआईआर दर्ज हो गईं। 4 पीएम न्यूज नेटवर्क ने इस संवदेनशील मुद्दे को प्रमुखता से उठाया।

### प्रधानमंत्री मोदी स्वतः संज्ञान लें : अभय दुबे

कांग्रेस प्रवक्ता अभय दुबे ने कहा है कि यह भाजपा के चरित्र और मानसिकता को उजागर करता है। बेहतर होता यदि प्रधानमंत्री इस पर स्वयं संज्ञान लेते और मंत्री को तत्काल बर्खास्त करते। हाईकोर्ट के हस्तक्षेप से न्यायपालिका में आम लोगों का विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। अब भाजपा को चाहिए कि वह मंत्री पर कड़ी कार्रवाई करे, जिससे देशभर में सकारात्मक और न्यायप्रिय संदेश जाए।

# त्राल मुठभेड़ में तीन आतंकी ढेर

## » सुरक्षाबलों ने सूचना पर पुलवामा जिले में चलाया था सर्च ऑपरेशन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से ही घाटी में सेना अलर्ट मोड पर है और हर हलचल पर निगाह रखी जा रही है। इसी बीच कश्मीर जोन पुलिस ने कहा कि गुरुवार सुबह जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में 3 आतंकी ढेर हो गए हैं। सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में स्थित त्राल के नादिर गांव में घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया।

देर रात घेराबंदी और तलाशी के बाद अब दक्षिण कश्मीर के त्राल के नादिर गांव में आतंकियों और सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई थी। सुरक्षाबलों को आतंकियों के छुपे होने की सूचना मिली थी। भारतीय सेना की चिनार कोर ने पोस्ट कर कहा, 15 मई को, अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी से विशिष्ट खुफिया इनपुट के आधार पर, भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और श्रीनगर सेक्टर सीआरपीएफ ने नादेर, त्राल, अवंतीपोरा में एक सर्च अभियान शुरू किया।

# पूरे देश में जय हिंद रैली निकालेगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह सशस्त्र बलों के सम्मान में 20 से 30 मई तक देश के 15 स्थानों पर 'जयहिंद सभा' का आयोजन करेगी। कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में इन सभाओं के आयोजन का फैसला लिया गया। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने एक्स पर पोस्ट किया है कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस हमारे सशस्त्र बलों की सर्वोच्च वीरता और सफलता को सलाम करने के लिए पूरे भारत में जय हिंद सभा आयोजित करेगी।

उन्होंने यह भी कहा कि सुरक्षा चूक, राष्ट्रीय सुरक्षा से निपटने के सरकार के तरीके और राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों में अमेरिका की संलिप्तता पर सरकार की चुप्पी पर भी गंभीर सवाल उठाए जाने चाहिए।

# लोकायुक्त ने कर्नाटक में 30 स्थानों पर मारे छापे

## » आय से अधिक संपत्ति के मामले में सरकारी कर्मचारी हैं निशाने पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। लोकायुक्त ने कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु सहित राज्य के 30 से अधिक स्थानों पर छापा मारा है। निशाने पर राज्य सरकार में कार्यरत 7 सरकारी अफसर हैं। लोकायुक्त के द्वारा राज्य के अधिकारियों के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के बारे में मिली सूचना के बाद छापेमारी की जा रही है। बेंगलुरु में 12 स्थानों, तुमकुरु में 7, यादगीर में 5, मंगलुरु में 4 और विजयपुरा जिले में 4 स्थानों पर छापे मारे जा रहे हैं।

इन स्थानों में तुमकुरु में निर्मिति केंद्र के परियोजना निदेशक, मंगलुरु में एक सर्वेक्षण पर्यवेक्षक और डॉ. बी.आर. अंबेडकर विकास निगम से जुड़ी एक वरिष्ठ महिला अधिकारी के आवास और कार्यालय शामिल हैं। बेंगलुरु शहर और ग्रामीण नियोजन निदेशालय से जुड़े अतिरिक्त निदेशक, लीगल मेट्रोलॉजी से जुड़े एक निरीक्षक, होसाकोटे तालुक कार्यालय में एक द्वितीय श्रेणी सहायक और यादगीर तालुक कार्यालय में एक कर्मचारी के आवास पर भी छापे मारे जा रहे हैं। कलबुर्गी शहर के अक्कमहादेवी लेआउट इलाके में यादगीर जिले के तहसीलदार के आवास और संपत्तियों की तलाशी ली जा रही है। अधिकारियों के रिश्तेदारों के परिसरों पर भी छापेमारी की जा रही है। इस संबंध में लोकायुक्त की ओर से आधिकारिक बयान फिलहाल नहीं आया है।

### इससे पहले भी हो चुकी है छापेमारी

इसके पहले 8 जनवरी को लोकायुक्त अधिकारियों ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में कर्नाटक के सात सरकारी अधिकारियों के खिलाफ एक साथ छापेमारी की थी। बेंगलुरु, चिक्कमगलुरु, बीदर, बेलगावी, गडग, ??बल्लारी, रायचूर, बागलकोट और तुमकुरु 9 जिलों में छापेमारी की गई थी। 31 जनवरी को लोकायुक्त के अधिकारियों ने राज्य के चार जिलों के सात स्थानों पर छापेमारी की थी। बेंगलुरु, बेलगावी, रायचूर और बागलकोट जिलों में एक साथ छापेमारी की गई थी। आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में सरकारी अधिकारियों के आवासों और संपत्तियों पर छापेमारी की गई थी। इन अधिकारियों में एक प्रभारी उप-पंजीयक भी शामिल था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।